





B.Pharm. (4 Years)

M.Pharm.

(2 Years)

- Pharmaceutical Chemistry
- Pharmaceutics

Ph.D. (Pharmacy)



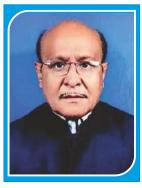
Rajiv Gandhi Institute of Pharmacy

Faculty of Pharmaceutical Science & Technology

Our Authorities



Prof. B.A. ChopadeVice-Chancellor
AKS University



Prof G.P. RichhariyaDean
Faculty of Pharmaceutical Science
& Technology



Prof. S.P. GuptaProfessor & Director
Faculty of
Pharmaceutical Science & Tech.

About the Faculty

The faculty of Pharmaceutical Science & Technology (FPST), AKS University, Satna is one of the premier institutions for pharmaceutical education and research in the Vindhya Region. The college (Rajiv Gandhi Institute of Pharmacy) was started in the year 2006 affiliated to the Rajiv Gandhi Technological University (RGTU), Bhopal and now became a constituent Unit of AKS University in 2012. The faculty of Pharmaceutical Science & Technology (Rajiv Gandhi Institute of Pharmacy) is approved from Pharmacy Council of India, New Delhi. The faculty of Pharmaceutical Science & Technology now offers D.Pharm., B.Pharm., M.Pharm (Pharmaceutical Chemistry), M.Pharm (Pharmaceutics) & Ph.D. Programmes.



Vision

To be recognized globally for academic and research excellence, meeting the evolving needs of the pharmacy profession and society.

Mission 🕲

- To promote and train professionals in accordance with global standards for social and pharmaceutical needs, through structured training programs such as B. Pharm., M. Pharm., and PhD, ensuring professional pharmaceutical education and the development of effective competencies.
- To achieve academic excellence in pharmaceutical sciences by fostering an innovative teaching and learning process.
- To establish a recognized research center that addresses the evolving needs of the pharmacy profession and society.
- To enhance skills through hands-on, experimental knowledge in line with the global requirements of the pharmaceutical industry and society.



Infrastructure

Smart Class Rooms



Well Equipped Laboratories

Smart Class Room with Projector



Herbal Garden





Animal House





Well Equipped Pharmaceutical Laboratories







Central Instrumentation Facility

State of the art instruments integrated within advanced laboratories.











FTIR

All Purpose Machine

Awards & Achievements



"

Dr. S.P. Gupta

Receiving

Principal of the Year - 2019 Award by

Upendra Yadav

The Deputy Prime Minister of Nepal at SPER Sponsored International Conference and Exhibition held at The Department of Pharmacy Kathmandu University, Nepal on 07th June 2019

"

"

Dr. S.P.. Gupta

Recieveing

Innovative Researcher Award-2019

at SPER International Conference & Exhibition Bangkok, Thailand

> on 04th Oct. 2019

> > "





Ms. Neha Goel, Associate Professor receiving Research Excellence award in Herbal Drugs at national Conference held at RB Science Bhopal on 17th September 2023



Ms.Priya Diwedi , Assistant Professor receiving Young Women Scientist award at international Conference held at CPU Kota on 16th March 2024

Conferences & Seminars

National Conference On "Recent Advances In Pharmacovigilance In Drug Discovery & Development" on 12thApril 2019 at Rajiv Gandhi Institute of Pharmacy



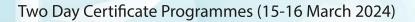






SPER 9th Annual International Conference & Exhibition SPER-2020 28-29 Feb, 2020









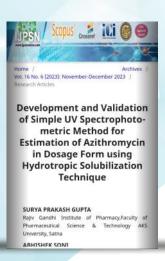


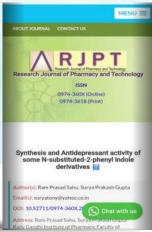


Research Papers (2019-2024) PUBLISHED IN SCOPUS/WoS/ UGC CARE JOURNALS



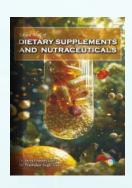


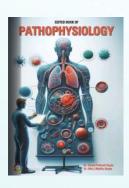


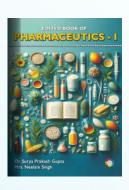


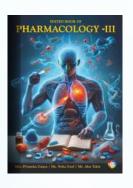
Books Published (2019-2024)

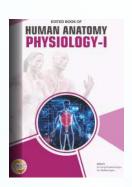
Books Published 19 Chapters Published 267

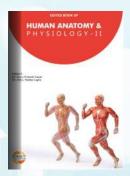


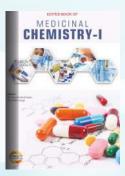


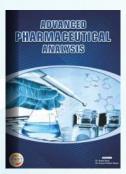




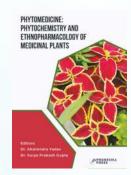


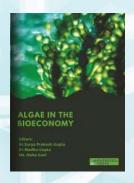




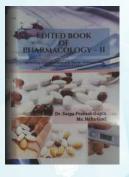


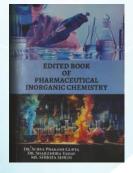






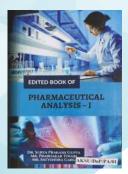


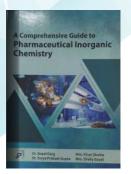


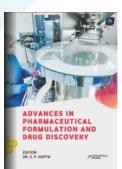












Pharmacy Products



Testimonials



Studying at AKS University has been a great journey. The Pharmacy Department offers excellent lab facilities, supportive faculty, and a strong focus on practical learning. The university really helps in building a solid foundation for a successful career in the pharmaceutical industry. I'm proud to be a part of it

Deepak Pandey B.Pharm (Batch-2014-2018) TBM (Territory Business Manager)

Eris



My journey in the Pharmacy Department at AKS University has been truly enriching. The mentorship here is outstanding—our faculty are not just teachers, but guides who constantly motivate and support us. With strong academics, hands-on training, and career-focused learning, I feel well-prepared for a future in the pharmaceutical field."

Shivam Kumar Pandey B.Pharm (Batch-2014-2018) Research Scholar (NIPER) – Raebareli (U.P.)



Studying in the Pharmacy Department at AKS University has been a great learning experience. The teaching is very interactive and concept-based, with supportive faculty who are always ready to guide us. The blend of theory and practical sessions really helps us understand the subject deeply.

Ankit Tiwari
B.Pharm (Batch-2018-2022)
Manager at Scientific Service



Studying in the Pharmacy Department at AKS University has been a great experience. The mentorship from faculty is very supportive and career-oriented. We get strong academic training along with practical exposure. The placement cell also works actively to connect us with top pharmaceutical companies, helping us build a strong future."

Yudhishthir Singh Baghel B.Pharm (Batch-2014-2018) Aurobindo Pharma limited Research Centre -1 Hyderabad



The Pharmacy Department at AKS University provides a strong academic foundation with excellent lab facilities and practical learning. The curriculum is industry-relevant, and the placement cell supports students in securing opportunities with reputed pharma companies. It's a great place to build a successful career in pharmacy.

Abhishek Dwivedi B.Pharm (Batch-2012-2016) Sr. Executive - Zydus



My experience in the Pharmacy Department at AKS University has been truly transformative. The teaching was exceptional, with experienced faculty members who always encouraged us to think critically and stay updated with the latest in the pharmaceutical world. The placement support was equally commendable—thanks to the university's efforts, I got a great opportunity to start my career right after graduation. I'm proud to be an AKS alumnus

RASHMI PATHAK

B.Pharm (Batch-2020-2024)

Chemist - in Progress Quality Assurance

,,

एकेएस के डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में पेटेंट प्रकाशित



सतना। राजीव गांधी इस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी का पेटेंट डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रकाशित हुआ है। इसका विषय सिंथेसिस ऑफ इमिडाजोल-ऑक्साजेपाइन बाय माइक्रोवेव एरियाडिएशन मेथड है। फामेर्सी विभाग के डायरेक्टर डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता ने चर्चा में बताया कि वर्तमान आविष्कार अल्ट्रासोनिक विकिरण का उपयोग करके बेंजिमिडाजोल-ऑक्साजेपाइन संयुग्मों के संश्लेषण से संबंधित है। बेंजिमिडाजोल-ऑक्साजेपाइन संयुग्म यौगिकों को इमिडाजोल से शुरू करके संश्लेषित किया गया, इसके बाद एथिल क्लोरों एसीटेट के साथ इमिडाजोल के घोल की न्यूक्लियोफिलिक प्रतिस्थापन प्रतिक्रिया की गई। इसके बाद एसिटोहाइझजाइड प्राप्त करने के लिए शामिल हैं। विशेष्टिक टवा मोटापे हाइड्रैज़िनेट किया गया।

राजीव गांधी फार्मेसी संस्थान, फार्मास्युटिकल विज्ञान व प्रौद्योगिकी संकाय के स्टूडेंट का रिसर्च पेपर पब्लिश

नव स्वदेश 🏿 सतना

मध्य प्रदेश, इंडिया के 🛭

एम फार्मा स्ट्डेंट दीपांगु विश्वकर्मा का रिसर्च पेपर डॉ.सूर्य प्रकाश 🖟 गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रकाशित हुआ है।उनका एसोसिएशन

ऑफ फार्मास्यटिकल टीचमं ऑफ इंडिया ऑफ इंडिया के प्रतिष्ठित जनरल इंडियन जनरल ऑफ़ फार्मास्युटिकल एज्केशन एंड

रिसर्च के खेंल्यूम 58 हम् 4 और इंगर 2024 में 58 वर्ष पुराने इस जनरल में प्रकाशित हुआ है। उं.गुजा ने बतावा कि एंटी इन्मतेमेंटरी और सिलिको स्ट्रीक ऑफ फ्यू नोबेल 1,2,4

ग्रुवजोल व्युत्पन शिफ बेस क्षाउंड पर स्टुडेंट ने मौतिक कार्य किया। फार्मेसी विभाग के डायरेक्टर डॉ. सूर्य प्रकाश गुता ने पृष्ठभूमि पर बात करते हुए बताया कि वर्तमान जांच का उद्देश्य

यैशिकों का संश्लेषण तीन अला

व्युत्पनों की स्जन-ग्रेथी क्षमता क संश्लेषित करना और उसक अकलन कला था। सामग्री औ विधि पर खत करते हुए उन्हों-बताया कि 1,2,4-टाईगोर अलग चरणों में पूरा किया गर जिसमें इब्ब्रोफेन के सर्डुजाइड व निर्माण और उसके बाद 1,2,4 ट्राईजोल नाधिक में चक्रण औ अंतिम चरण में शिक्त बेस क

ज्यस विवि की छात्रा ने मोटापा धी क्रिया का किया आंकलन

। राजीव गांधी संस्थान. साइंस गिकी संकाय.

भार्या पाठक ने यह कार्य जैथिन

ो संश्लेशित करने और संश्लेषित

की मोटापा-रोधी क्रिया का

करने के उद्देश्य से किया है।

इंडेक्स्ड जर्नल है। इसे वॉल्युम

बर जनवरी मार्च अंक में ई

एसएन 0976,0083 स्थान

डॉ.सूर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि

क चिकित्या स्थिति है जो कई

बीमारियों और विकारों के

होने की संभावना को बढ़ाता है

मृत्यु दर से जुड़े हैं। उपर्युक्त

में टाइप 2 मधुमेह, हृदय संबंधी

बोलिक सिंड्रोम, क्रोनिक किडनी

ध्यरिलिपिडिमिया उच्च रक्तचाप

भोहल फैटी लीवर रोग, विशिष्ट

ी घातक बीमारियां,ऑब्सट्रक्टिव

निया ऑस्टियोआर्थराइटिस और



करती है। मोटापे के प्रबंधन के महत्वपूर्ण के बावजूद, महत्व मोटापा-रोधी दवाओं की उपलब्धता सीमित

बनी हुई है। पिछले तीस वर्षों के दौरान, मोटापे के इलाज के लिए केवल सीमित संख्या में दवाडयां बनाई गई हैं. जैसे कि लॉरकेसरिन, टोपिरामेट, बप्रोपियन. सेटमेलानोटाइड लिराग्लूटाइड, जिन्हें अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा अधिकत किया गया है। जैथिन, जिसे 3, 7-डायहाइड्रोप्यूरिन-2,6-डायन के रूप में भी जाना जाता है, एक प्यूरीन बेस है जिसमें एक इमिडाजोल रिंग के साथ जुड़े एक पाइरीमिडीन रिंग शामिल हैं। इसमें नाइट्रोजन इसके मुख्य परमाणु के रूप में होता है। प्राकृतिक और सिंथेटिक औषशीय रूप से सकिय पटार्थी की एक विस्तृत श्रृंखला में संरचनात्मक दुकड़ों की उपस्थिति इसे कई प्राकृतिक वस्तओं का एक मौलिक और अपरिहार्य घटक बनाती है। संरचना का स्पष्टीकरण स्पेक्ट्रोस्कोपिक अनुसंधान का उपयोग करके किया गया था जिसमें एनएमआर

फार्मेसी फैकल्टी नेहा उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित



सतना, देशबन्ध्। डिपार्टमेंट ऑफफामेंसी की एसोसिएट प्रीफेसर नेहा गोयल की फामेंसी क्षेत्र में उत्त्वृहता के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें हर्षल इन्नस 2023 में अनुस्थात उत्त्वृहता प्रकार संस्मानित किया गया। गर्मान्स्ट्रिटकल विकार से प्राचीनित किया गया। गर्मान्स्ट्रिटकल विकार से प्रीडोगिको तक उन्होंने उत्तेव्यनीय कार्य किया है। गिलसरायजा गलावा कितीना पढ़ एसेसमेंट ऑफ एटी माइकोबॉयल पिन्दिवटी पर कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया है। इसका देशज नाम मुलेडी है। सम्मान समारीह में स्तेवा वीन अध्यक्ष, मध्य प्रदेश राज्य फामेंसी कार्डीसल, भेपाल, देवेन्द्र नाथ नीव्यर, सेवानिवृह्त कार्यपालन यंत्री, पीएचई,शसन द्वारा सम्मानित किया गया। एकेएल विकारित विवारालय पामेंसी विभाग के डायरेक्टर सूर्य प्रकार गान ने इस उत्तरालिय पर हर्ष व्यक्त किया है



एकेएस के छात्र का रिसर्च पेपर पब्लिश



सतना, देशबन्धः एकेएस वश्वविद्यालय के एम फार्मा छात्र दीपांशु विश्वकर्मा का रिसर्च पेपर डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रकाशित हुआ है। उनका कार्य एसोसिएशन फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ

इंडिया ऑफ इंडिया के प्रतिष्ठित प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में पंचकोला घनवटी तैयार की है। जनरल इंडियन जनरल ऑफ फार्मास्यृटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के इसके प्रिपरेशन एंड इवोल्यूशन ऑफ आयर्वेदिक वॉल्यूम 58 इश्रू 4 और ईयर 2024 में 58 वर्ष पुराने इस जनरल में

एकेएस के फार्मेसी फैकल्टी नीलम सिंह ने तैयार की पंचकोला घनवटी

नव स्वदेश 📕 सतना

एकेएस के फार्मेसी फैकल्टी नीलम सिंह ने डॉ सुर्य

प्राप्त की है। इस बारे में जानकारी देते हुए फार्म डायरेक्टर डॉ.सर्य प्रकाश गप्ता ने जानकारी र कि पंचकोला घनवटी में पिपली, पिपल चित्रक और काव्या का इस्तेमाल करते हुए प को ध्यान में रखकर नाम दिया गया है। इंटरनेशनल जर्नल और बायोलॉजी फार्मेर्स साइंसेज के वॉल्युम 13 अक्टूबर के अंक हुआ है। जिसका आईआईएस नंबर 227 नीलम सिंह ने बताया कि इस वटी र एनाल्जेसिक,कब्ज,पेट में सुजन,आंतों में लगने के इलाज में किया जा सकता है।

फॉर्मूलेशन पर उन्होंने पेपर भी पब्लिश कर **डॉ.सूर्य प्रकाश एवं संध्या जैन का बुक चैप्टर पब्लिश**

विश्वविद्यालय के डॉस्य् प्रकाश गुप्ता और संध्या जैन, पीएचडी रिसर्च सकालर ने बुक चैप्टर प्रकाशित करवाने में

हैं। जिसका चैप्टर नेम मॉलिक्यूलर डॉकॅंग स्टडी



स्टडी ऑफ बायो एक्टिब फाइटोकेमिकल ऑस्ट कैंसर पर कई शोध लेखन के निचोड़ को प्रस्तुत किया है। लेखकों ने 978-0-443-19143-5 आईएसबीएन में इसे प्रकाशित कराया है। रीसेंट फ्रॉटियर्स ऑफ फाइटोकेमिकल्स पुस्तक में एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित होना एक बडी उपलब्धि

एकिट व फाइटोकेमिकल्य अगेंस्ट कैंसर हैं। पस्तक प काशक

एल्सेवियर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक हैं। इस पुस्तक के चैप्टर में स्थान पाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डॉ सूर्य प्रकाश गुप्ता और संध्या जैन की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ, लेखकों के सहकर्मियों और परिवारजनों, इप्ट मित्रों ने उन्हें बधाई संदेश प्रेषित किए हैं। लेखकों ने सभी जनों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया है।

एकेएस के फॉर्मेसी के प्रोफेसर एवं अयरेक्टर के मार्गदर्शन में स्ट्डेंट ने हासिल किया इंडियन पेटेंट



डायरेक्टर हों सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में राजीव गांधी इस्टिट्यूट ऑफ़ फामेंसी के एम फार्मा फाउंडर बैंच के छात्र दिग्विजव सिंह ने उलेखनीय कार्य करने में सफलता

विस्त के उन्नेश्वाचीय करार्थ कराने में महराना दर्ज की है। श्रीयकर्ता प्राप्त ने की सुर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गाटर्बन में प्रटीबेक्टगीरियल नोबेक्ट गुप्ता के मार्गाटर्बन में प्रटीबेक्टगीरियल नोबेक्ट मंत्रिक्ट का कार्य इंडिजिंग मीफ ब्रेस डिरिटेट्स पर मेरिक्ट कार्य करार्थ के की महरा करार्थ के प्रटेट में हिएक कार्य करान्द्र हिठा गार्थ तो इस करार्थ को प्रटेट आवने वाली टीम ने बेस्ट सुरुविपूर्ण, तरखास्पक और मार्थिक्टगुर्भी पारा। इसो कड़ी में इंडिजल पेटेंट में सार्सिल इसा कड़ी में इंडिजल पेटेंट में सार्सिल इसा कड़ी कार्य करा प्रचार प्रचार कार्य की मार्थिक्ट कार्यक्र कार्य की सार्सिल करा कड़ा करार्थ की सार्सिल करार्थ करा करार्थ की सार्सिल करार्थ करार्य करार्थ करार्थ करार्थ करार्थ करार्थ सरारना करते हुए उन्हें अनुशासित शिक्षक बताया और उनके किए जारत के चौरता राज जो गार्रिंग जीवर सावस्त्र नीवीन

रिव्य पेपर प्रकाशित

सिटी रिपोर्टर, सतना राजीव गांधी इंस्टिटयट ऑफ फार्मेसी, फैकल्टी ऑफ फार्मास्यटिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी डायरेक्टर डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में फार्मेसी फैकल्टी नेहा गोयल और उपेंद्र तिवारी

ची. फार्मेसी ईयर फाइनल स्टूडेंट का पेपर रिव्य प्रकाशित हुआ है। इनका विषय इंडियन मेडिसिनल



प्लांट यूटिलाइज्ड इन ट्रेडीशनल मेडिसिन फॉर द मैनेजमेंट ऑफ डायबिटीज है। डॉ. सुर्य प्रकाश गप्ता के मार्गदर्शन में फैकल्टी र्नेहा गोयल और स्टूडेंट ने इस रिव्य पेपर पर मौलिक लेखन कार्य किया है। डॉ. सुर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि वैश्विक स्तर पर, मधुमेह एक बहुत ही प्रचलित और खतरनाक चयापचय रोग है।

एकेएसयू के छात्र निहाल का पेपर प्रकाशित

सतना,एमपीजेएस न्यूज

एकेएस के फार्मेसी विभाग के प्रोफेसर एंड डायरेक्टर डॉ. सूर्य प्रकाश गुप्ता के निर्देशन में फार्मेसी संकाय में निरंतर सराहनीय कार्य हो रहे हैं। इसी कड़ी में शोध के क्षेत्र में एम फार्मा फाउंडर बैच के छात्र निहाल दहिया ने यूजीसी अपूर्व्ह इंटरनेशनल पीर रिव्यूड जर्नल ऑफ बायोलॉजी फार्मेसी एंड एलाइड माइंमेज में पेपर पहिलाश करने में सफलता प्राप्त की है। उनके पेपर का टाइटल, डेवलपमेंट एंड बैलिडेशन ऑफ एनालिटिकल मेथड दू एक्सेस स्टेबिलिटी का डेबिटट्रेन हाइड्रोक्लोराइड बाय रिवर्स फेज हाई परफामेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी है। वॉल्यूम 13, 5 के

इस खंड में उनका पेपर पब्लिश



हुआ है। उनके पेपर पब्लिकेश पर विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्रोफेसर एंड डायरेक्टर डॉसूर्य प्रकाश गुप्ता और सभी फैकल्टी ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उञ्जवल भविष्य की कामना की है।

Student's **Achievements**



Faculties Achievements



Our Recruiters



Strategic Plan

Pursuit of Accreditation 6 **Expand Student Enrollment** and Recognition **Dedicated Faculty Upgraded Hostel Facilities Development Funding International Faculty** 3 **Comprehensive Skill Development Exchange Collaborations** 4 Introduction of Postgraduate **Establishment of Specialized Programs Research Centers** Short-Term Certificate and **Interdisciplinary Programs** Diploma Courses and Electives